महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्,गोरखपुर

संस्थापक–समारोह 2020

मो. : 9415822524
9450883021

(4 दिसम्बर से 10 दिसम्बर)

प्रतियोगिता परिणाम एवं अन्य जानकारी के लिए देखें website – www.mpspgkp.in

मुख्य संरक्षक : गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

दिनांक : 04.12.2020

प्रकाशनार्थ

भारत देश पर हजार वर्ष तक विदेशियों का शासन रहा। विदेशियों ने भारतीय संस्कृति को नष्ट करने का प्रयत्न किया। पाश्चात्य प्रभाव के कारण भारतीय संस्कृति प्रभावित हुई। छात्र अपनी संस्कृति से जुड़कर अपना प्राचीन गौरव वापस ला सकते है। आप सभी भाग्यशाली कि महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की संस्थाओं में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। शिक्षा को संस्कृति के साथ ही चलना चाहिए। हम अपने अध्ययन काल में अपने शिक्षकों के साथ मेल–जोल करके यहाँ तक की यात्रा पूर्ण किये है। मानव जीवन में अध्यापक का विशेष महत्व होता है। आज तकनीकी के इतनी दूरी तय कर लेने पर भी शिक्षक का दाायित्व कम नही हुआ है। तकनीकी के माध्यम से हम सूचनाओं को एकत्र कर सकते है पर समझ तो शिक्षक के सान्निध्य से ही विकसित की जा सकती है। अतः अध्यापक वास्तव में राष्ट्र का निर्माता है, छात्र देश के भविष्य हैं और उनका निर्माण शिक्षक ही करता है। उपर्युक्त विचार **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ,भारत मुख्य अतिथि जनरल बिपिन रावत** ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह–2020 के शोभा यात्रा एवं उद्घाटन समारोह के अवसर पर व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि भारत देश एक नये रूप में सामने आने वाला है। आर्थिक गति, शिक्षा प्रणाली, सामाजिक शहरीकरण, तकनीक के प्रयोग से उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हैं। विद्यार्थी हमारे भविष्य है भारत की उन्नति का भार उनके कंधो पर है। वे जोश व लगन के साथ ईमानदारी एवं वफादारी से अपने कर्तव्य का पालन करेंगे तो देश आगे बढ़ेगा। विद्यार्थी अपनी सोच ऊंची रखें। तारों तक पहुॅचने की सोंचे तो चॉद तक अवश्य पहुॅच जायेंगे। कड़ी मेहनत के बिना सफलता नही मिलती है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा कि यदि दिनचर्या में मुश्किल हालात का सामना नहीं करना पड़ा तो यह समझिए कि हम गलत रास्ते पर चल रहे है। समस्याओं से उभर कर आगे बढ़ना होगा आप अपनी ताकत की पहचान करनी होगी। गुणों–अवगुणों का अन्तर समझना होगा। गुण को ग्रहण कर अवगुणों को छोड़कर आगे बढना होगा। रास्ते में असफलता भी मिलती है पर हताश नहीं होना है। **असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो तुम। कहॉ खामियां रह गयीं, विचार करो तुम। मेहनत और लगन से आगे बढ़ते जाओ, हर नये शिखर पर परचम लहराते चलो तुम।** पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप सूरज जैसी चमक चाहते है तो सूरज की तरह ही जलना होगा।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने अभूतपूर्व कार्य किया है। उत्तर प्रदेश और केन्द्र में भी राजनीतिक शुचिता श्री गोरक्षपीठ की देन है। प्रदेश और देश को दिशा और दर्शन देने के सूत्रधार महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज रहे हैं। अब इस पीठ ने उत्तर प्रदेश का नेतृत्व सभांला है और उत्तर प्रदेश नित नयी ऊचांइयों को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने भारत के शौर्य और पराक्रम में वर्धन किया। उन्होंने जीवन भर मुगलों से संघर्ष किया और अपने प्राणों की चिन्ता नही की। सैनिकों की संख्या कम होने पर भी वे मुगलों के सामने पराजय स्वीकार नही किये। उनके आदर्श जीवन को दृष्टिगत रखते हुए महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शिक्षा परिषद का नाम उनके नाम उनके नाम पर रखा। उनकी इच्छा थी कि इस संस्थान में पढ़ने वाले छात्र महाराणा प्रताप की तरह देश भक्त हों। मुझे विश्वास है कि शिक्षा परिषद की संस्थाओं में पढ़ने वाले छात्र अनुशासित, संस्कारित एवं उत्तम नागरिक बनेंगे।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में **उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री,गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** कहा कि शिक्षा परिषद अपना 88वॉ स्थापना दिवस मना रहा है। 2031–32 यह अपनी शताब्दी वर्ष मना रहा होगा। यह 11 वर्ष का समय चुनौतीपूर्ण है। हमें 11 वर्ष का लक्ष्य तय करना है और प्रतिवर्ष अपनी कार्यकुशलता का आकलन करना है। मार्ग में अनेक चुनौतियां भी आयेंगी। आज एक नवीन मंच का लोकार्पण, महाराणा प्रताप, महंत दिग्जियनाथ जी महाराज और महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की प्रतिमाओं का अनावरण हुआ है। ये प्रतिमाएं हमारी प्रेरणा भी है इनके व्यक्तित्व और कृतित्व से समाज जीवन में एक नयी उर्जा प्राप्त होगी। इन्हें आदर्श मानकर हम आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि कोई अचानक बड़ा नही हो जाता। इसके लिए निरन्तर प्रयास करना होता है। आदर्श सामने रखना पड़ता है। सकारात्मक ऊर्जा से स्वयं को भरना होता है। नकारात्मकता से कोई शिखर पर नही पहुँच सकता है। सामूहिक भावना से सबको साथ लेकर काम करने पर सफलता मिलती है। देश के दुर्गम क्षेत्रों में कोई सैनिक इसलिए कार्य कर पाता है क्योंकि वह विपरीत परिस्थितियों में भी नयी ऊर्जा ग्रहण करता है। जिन्होंने न कभी आराम किया और चुनौतियों का डटकर सामना किया वही सफल होते हैं। भारत इस कोविड–19 महामारी से जुझते हुए विजय प्राप्ति के लिए आगे बढ़ रहा है। कोविड–19 का समय चुनौतिपूर्ण है। पर इसने अवसर भी दिये हैं हर एक नागरिक बचाव के रास्तों को तलाशा साथ ही तकनीक के महत्व को समझना प्रारम्भ किया। कोविड–19 के प्रदेश और केन्द्र सरकार ने

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्,गोरखपुर

संस्थापक–समारोह 2020

(4 दिसम्बर से 10 दिसम्बर)

मो. : 9415822524
9450883021

प्रतियोगिता परिणाम एवं अन्य जानकारी के लिए देखें website – www.mpspgkp.in

मुख्य संरक्षक : गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

बचाव, जागरूकता और अब वैक्सिलेशन की तैयारी में है पर लम्बे समय तक सतर्कता का रास्ता निकालना होगा। 1977 से 2017 तक प्रदेश में प्रतिवर्ष 600 से लेकर 1500 तक की संख्या में बच्चों की मौत इन्सेफेलाइटिस से होती थी पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन से जुड़कर इस महामारी पर 95 प्रतिशत सफलता प्राप्त हो गयी है। कोई अभियान सफल तब होता है जब उससे जनसमुदाय जुड़ता है। हमें **सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना चाहिए, मास्क का प्रयोग करना चाहिए,** सावधानी और सतर्कता हमें कोरोना जैसी महामारी लड़ने में सहायक होगी। यह वर्ष भारत के लिए उपलब्धियों भरा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सांस्कृतिक विजय अभियान को आगे बढ़ाया है। 34 वर्ष बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत को प्राप्त हुई है। इस नीति में व्यावहारिक जीवन में ज्ञान के महत्व को रेखांकित किया गया है। इस नीति के माध्यम से भारत पुनः विश्वगुरु पद पर आसीन होगा। इसके लिए हमें भी नई ऊर्जा के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा परिषद की संस्थाएं अन्य संस्थाओं के लिए प्रेरणा बनें। श्रद्धांजलि वाचिक नही होनी चाहिए **महाराणा प्रताप जंगलों में रहते हुए घास की रोटी खाये पर मुगलों के सामने न झुके, न डरे, न टूटे** उन्होंने देश के स्वाभिमान और गौरव को नीचे नहीं जाने दिया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ,भारत मुख्य अतिथि जनरल बिपिन रावत** को एन.सी.सी. के कैडटों ने गार्ड आफ ऑनर दिया। **मुख्य अतिथि, जनरल बिपिन रावत ने** ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात हिन्दुआसूर्य महाराणा प्रताप, गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण एवं सभा मंच का लोकार्पण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वन्दना एवं श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ के छात्र पुनीश पाण्डेय एवं प्रांजल पाण्डेय ने गोरक्षनाथस्तोत्र का पाठ किया। कुलगीत के पश्चात् पूज्य योगी जी ने जनरल बिपिन रावत जी का उत्तरीय एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा जी का उत्तरीय एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के **अध्यक्ष प्रो. यू.पी.सिंह जी** ने अतिथियों का स्वागत किया।

अतिथियों के उद्‌बोधन के पश्चात् राष्ट्रगीत वन्देमातरम और शंख ध्वनि के साथ शोभा यात्रा प्रारम्भ हुई। परिषद की संस्थाओं के छात्र–छात्राएं अपने गणवेश में राष्ट्रीय धुन पर बजते बैण्ड, विविध झॉकियों के साथ **भारत माता की जय, वन्देमातरम, एक बनेंगे–नेक बनेंगे, स्वच्छ भारत–स्वस्थ भारत, दो गज की दूरी मास्क है जरूरी** आदि गगन भेदी नारों के साथ सामाजिक परिवर्तन में अपनी भूमिका और राष्ट्रीय एकता के प्रति संकल्पबद्धता के साथ शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए। समारोह में इस अवसर प्रो. विनोद सिंह, प्रो. सुषमा पाण्डेय, प्रो. राजवन्त राव, प्रो. मानवेन्द्र सिंह, श्री मारकण्डेय सिंह, श्री जटाशंकर सिंह, श्री अश्वनी तिवारी, डॉ. सी.एम. सिन्हा, श्री रामसजीवन मौर्य, श्री नवीन पाण्डेय, श्री राजेश गुप्ता, श्री विपिन सिंह, प्रो. प्रदीप यादव, प्रो. राजेश सिंह, श्री हरि प्रकाश मिश्रा, श्री पवन यादव, श्री आर.एन.गुप्ता, श्री अजय श्रीवास्तव, श्रीमती अन्जू चौधरी डॉ. शेर बहादुर सिंह, डॉ. सत्या पाण्डेय सहित नगर गणमान्य नागरिक तथा शिक्षा परिषद के पदाधिकारी, सदस्यगण शिक्षक, छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें। समारोह का संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने तथा आभार ज्ञापन डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

संस्थापक-सप्ताह समारोह में आज

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक–सप्ताह समारोह में दिनांक 5 दिसम्बर 2020 को योगासन प्रतियोगिता–प्रताप आश्रम में, चित्रकला प्रतियोगिता–दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज में, प्रश्नमंच (क्विज) कनिष्ठ वर्ग प्रतियोगिता–दिग्विजयनाथ एल.टी.प्रशिक्षण महाविद्यालय, गोरखपुर, एवं वरिष्ठ वर्ग महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सभागार, शिक्षाप्रद संत वचन प्रतियोगिता–दिग्विजयनाथ पी.जी.कालेज के बी.एड़. विभाग में में सम्पन्न होगी।

(डॉ. फूलचन्द प्रसाद गुप्त)
मीडिया प्रभारी